

कहलनरत रीकत विगत, मिलत-बिलत ललितान,
भरें भौन में कल हैं; नैनन टी सों कात ॥

1. विश्वरूप → ग्रन्थ का दो कवि विद्यालोक व
द्वि. विद्यालोक (विद्यालोक) स्वच्छ दृष्टि द
द्वि. ग्रन्थ की विद्यालोक की ~~स्वच्छ दृष्टि~~ स्वच्छ दृष्टि
विद्यालोक में लिखी है।

2. प्रांग → इस दोहे का अर्थ यह है कि नायक-नायिका
भरें भवन में बैठे हुए हैं और नैनन के निवेदन से एक-दूसरे
से बातें कर रहे हैं। अतः इस दोहे का अर्थ नायक-नायिका
के बीच है।

3. विश्वरूप → नायक-नायिका के बीच नायिका से प्रेम-मिलन के
संदर्भ में है। नायिका को ~~प्रेम~~ प्रेम मना कर देती है।
नायिका की वर मुद्रा को देख नायक मुग्ध हो जाता
है। नायिका लीन उठती है। जिस दृष्टि से नैनन एक-दूसरे
से बातें कर रहे हैं। अतः इस दोहे का अर्थ नायक-नायिका
उठती है। अतः इस दोहे का अर्थ नायक-नायिका
अनुभव करने लाते हैं। अतः इस दोहे का अर्थ नायक-नायिका
बिना बाणी के ही भवन में बैठे हुए नैनन के निवेदन
को सही बातें कर लेते हैं।

4. विश्वरूप → प्रेम प्रीति का अच्छा उदाहरण है।
द्वि. अनुभवों का अच्छा उदाहरण है।
द्वि. प्रेम प्रीति का अच्छा उदाहरण है।
द्वि. प्रेम प्रीति का अच्छा उदाहरण है।

विद्यार्थी नाम (प्रा.प्रा.)

Page No: 119

Date : / /

- ② नवरात्रि बाल्यलाल का, हुली की छुदाई ।
 दोहरी भाँ, दुःख है, देन करे नहि जाय ।

9. 2/11/21 13/11

2. ग्रहण → (एक) ने वृष्ण के बातचीत करने के लोभ है।
उसकी वंशी दिखाकर (एक) ही है जो कभी वह ऐसा रहता है।
है न बाँटती उसके पास है जो कभी वह जड़ जाती है।
बाँटती उसके पास नहीं है, फिर बातचीत हो तब तक
सि। कभी का बर्णन वाली हुई। एक सही दूसरी
सि रहती है -

[illegible]

4. अवधि (1) रक्त वृद्धि के लिये गर्तों का (फल्टर) के लिए (अप-
मा-पेक्षाओं) का सामाजिक वर्णन विचारणीय है (1) मॉडर्न, नवीन
मा. 4. 3. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 8

(11) रवि १०/११/२०११ को भन्दा निम्न भन्दा
 रवि १०/११/२०११ को भन्दा निम्न भन्दा
 रवि १०/११/२०११ को भन्दा निम्न भन्दा
 रवि १०/११/२०११ को भन्दा निम्न भन्दा